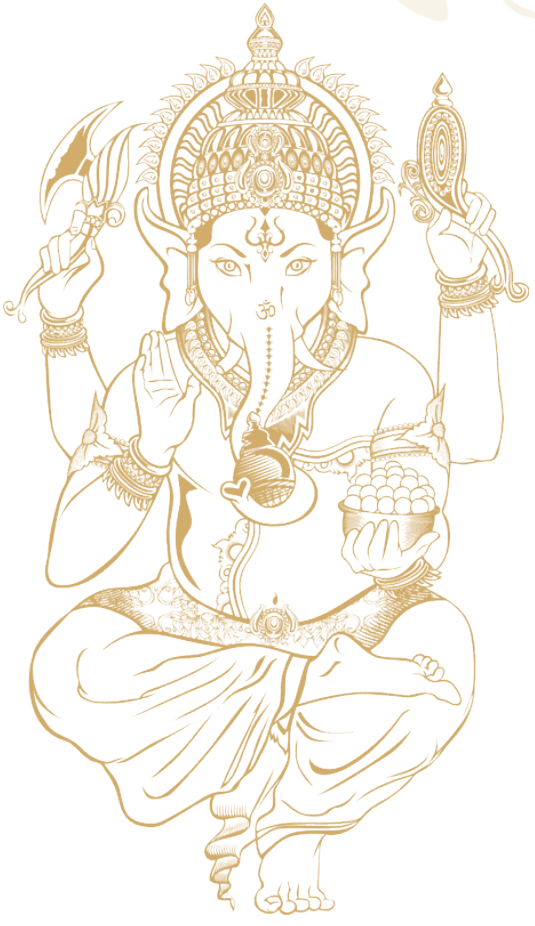

Kulbir Singh

03 Sep 2004

01:15 PM

Ludhiana

Model: web-freekundliweb

Order No: 121796607

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/09/2004**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:15:00 घंटे**
इष्ट	17:57:36 घटी
स्थान	**Ludhiana**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:56:00 उत्तर
रेखांश	75:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:48:28 घंटे
वेलान्तर	00:00:41 घंटे
साम्पातिक काल	11:39:37 घंटे
सूर्योदय	06:03:57 घंटे
सूर्यास्त	18:47:05 घंटे
दिनमान	12:43:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:13:24 सिंह
लग्न के अंश	18:16:20 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	ध्रुव
करण	कौलव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:16:20	309:42:53	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			सिंह	17:13:24	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मेष	10:02:49	12:39:15	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	सिंह	21:16:24	00:38:19	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			सिंह	01:51:33	00:06:39	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			कन्या	01:23:08	00:12:45	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	02:14:39	01:03:21	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
शनि			मिथु	29:44:08	00:06:06	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	09:25:10	00:00:05	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु			तुला	09:25:10	00:00:05	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	10:38:04	00:02:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप	व		मक	19:20:39	00:01:24	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	25:37:37	00:00:07	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कन्या	00:31:30	--	उ०फाल्गुनी	--	12	बुध	सूर्य	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:11

लग्न-चलित

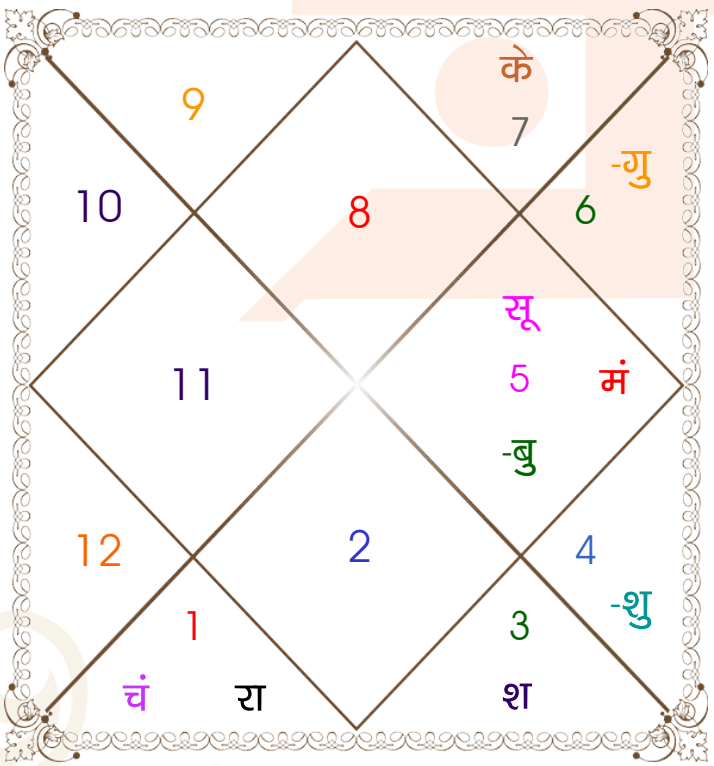

चन्द्र कुंडली

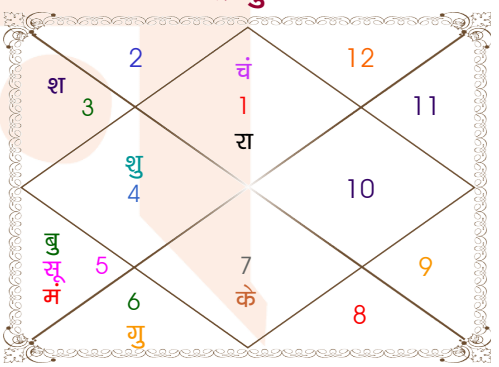

नवमांश कुंडली

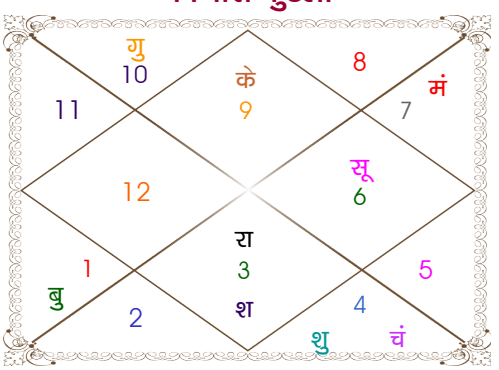

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 8 मास 21 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/09/2004		26/05/2006		26/05/2026		26/05/2032		26/05/2042	
26/05/2006		26/05/2026		26/05/2032		26/05/2042		26/05/2049	
	00/00/0000	शुक्र	25/09/2009	सूर्य	13/09/2026	चंद्र	26/03/2033	मंगल	22/10/2042
	00/00/0000	सूर्य	25/09/2010	चंद्र	14/03/2027	मंगल	25/10/2033	राहु	10/11/2043
	00/00/0000	चंद्र	26/05/2012	मंगल	20/07/2027	राहु	26/04/2035	गुरु	16/10/2044
	00/00/0000	मंगल	26/07/2013	राहु	13/06/2028	गुरु	25/08/2036	शनि	25/11/2045
	00/00/0000	राहु	26/07/2016	गुरु	01/04/2029	शनि	26/03/2038	बुध	22/11/2046
	00/00/0000	गुरु	27/03/2019	शनि	14/03/2030	बुध	26/08/2039	केतु	20/04/2047
	03/09/2004	शनि	26/05/2022	बुध	19/01/2031	केतु	26/03/2040	शुक्र	19/06/2048
शनि	29/05/2005	बुध	26/03/2025	केतु	26/05/2031	शुक्र	25/11/2041	सूर्य	25/10/2048
बुध	26/05/2006	केतु	26/05/2026	शुक्र	26/05/2032	सूर्य	26/05/2042	चंद्र	26/05/2049

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
26/05/2049		26/05/2067		26/05/2083		27/05/2102		27/05/2119	
26/05/2067		26/05/2083		27/05/2102		27/05/2119		00/00/0000	
राहु	06/02/2052	गुरु	14/07/2069	शनि	29/05/2086	बुध	23/10/2104	केतु	24/10/2119
गुरु	02/07/2054	शनि	25/01/2072	बुध	05/02/2089	केतु	20/10/2105	शुक्र	23/12/2120
शनि	08/05/2057	बुध	02/05/2074	केतु	17/03/2090	शुक्र	20/08/2108	सूर्य	30/04/2121
बुध	25/11/2059	केतु	08/04/2075	शुक्र	17/05/2093	सूर्य	26/06/2109	चंद्र	29/11/2121
केतु	13/12/2060	शुक्र	07/12/2077	सूर्य	29/04/2094	चंद्र	26/11/2110	मंगल	27/04/2122
शुक्र	13/12/2063	सूर्य	25/09/2078	चंद्र	28/11/2095	मंगल	23/11/2111	राहु	15/05/2123
सूर्य	06/11/2064	चंद्र	25/01/2080	मंगल	06/01/2097	राहु	11/06/2114	गुरु	20/04/2124
चंद्र	08/05/2066	मंगल	31/12/2080	राहु	13/11/2099	गुरु	16/09/2116	शनि	04/09/2124
मंगल	26/05/2067	राहु	26/05/2083	गुरु	27/05/2102	शनि	27/05/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 8 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।